an>

Title: Regarding harassment meted out to students by private schools affiliated to CBSE.

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) : अध्यक्ष महोदया, आज 'इंडियन एक्सप्रैस' के पÂठ नम्बर पांच पर एक खबर छपी है कि स्कूलों में बच्चों का शोÂाण किया जाता है। उसमें नाइंथ क्लास की बच्चियों का एक आर्टिकल भी निकला है। पिछले सप्ताह माननीय एचआरडी मंत्री जी ने एक प्रश्न का जवाब देते समय कहा था कि स्कूल एक नॉन प्रॉफिट आर्गेनाइजेशन है और हम उसमें पैसा कमाने के लिए एलाऊ नहीं कर सकते। उसके साथ उनका यह भी जवाब था कि एफडीआई में हम हन्डर्ड परसेंट इन्वाइट करते हैं। अगर उसमें कोई प्रॉफिट नहीं है, तो फिर एफडीआई क्यों आयेगी? सही स्थिति यह है कि आज के जमाने में अगर सबसे सेफ धंधा कोई माना जाता है, मैं इसे धंधा बोलूंगा, तो वह प्राइवेट स्कूल खोलना है। उसमें भी डीपीएस आर्गेनाइजेशन है, वह इस बिजनेस का सबसे टॉप आर्गेनाइजेशन है। अगर आपको पूरे हिन्दुस्तान में कहीं भी एक भी डीपीएस का लाइसेंस मिल गया, तो आप निश्चिंत रहिए, आपकी तीन जनरेशन तर जायेगी। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मैं आपका ध्यान डीपीएस, पटना की तरफ दिलाना चाहता हूं। मैंने माननीय मंत्री जी को इस बारे में चिट्ठी भी लिखी है। वहां बच्चों को जानबूझकर नाइंथ क्लास और ग्यारहवीं क्लास में फेल किया जाता है। वे रिजल्ट में पास हैं, लेकिन उन्हें प्रमोट नहीं किया जाता। डीपीएस, पटना के 30 बच्चे साइकिएट्रिक काउंसलिंग में चले गये और दो बच्चियां सूसाइडल टैंडेंसी में चली गयीं। उन सबके लिए ये स्कूल्स पैसे कमाने के धंधे हो गये हैं। यह अब समाज सेवा का धंधा नहीं है। आजकल अंगूठा छाप स्कूल खोलते हैं और सोसायटी चला रहे हैं।

अध्यक्ष महोदया, मेरा अनुरोध है कि सीबीएसई स्कूल्स की जो भी गाइडलाइन्स हैं, उसके तहत बच्चों को कापी देखने का मौका दिया जाये। किसी भी प्राइवेट स्कूल में जिन बच्चों को फेल किया जाता है, उन्हें कापियां तक नहीं दिखायी जातीं। उन्हें कापियां देखने का हक होना चाहिए। अगर वे बच्चे पास हैं, उसके बावजूद भी स्कूल प्रमोट नहीं करता है। यहां माननीय मंत्री जी बैठी हैं, मेरा उनसे अनुरोध रहेगा कि वे इस तरह के स्कूलों पर सख्त से सख्त से कार्रवाई करें। मैं स्पेसीफिक डीपीएस, पटना का नाम ले रहा हूं। वहां 30 बच्चियों को फेल किया गया। सब बच्चियों को स्कूल छोड़ना पड़ा। आखिर उन सबके करियर के लिए कौन जिम्मेदार है?

अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि इस इश्यू को बहुत सीरियसली लिया जाये। एक तरफ हम बच्चों को कहते हैं कि टेंडर हैं, हर तरह का सपोर्ट देना चाहिए और दूसरी तरफ स्कूल ब्लैकमेलिंग करके ग्राजियन्स से ज्यादा पैसा वसूलने के लिए बच्चों को फेल कराते हैं, फिर डोनेशन लेते हैं और पास कराते हैं। इस धंधे को बंद करना चाहिए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्रीमती स्मृति जुबिन ईरानी) : अध्यक्ष महोदया, आदरणीय महोदय ने जो विÂाय उठाया है और विशेÂातः एक स्कूल का नाम लिया है, मेरे मंत्रालय की ओर से मेरा प्रयास रहेगा कि इस विÂाय में सीबीएसई के अन्तर्गत एक जांच जरूर करवाएं। इन्होंने जो सुझाव दिये हैं, उन सुझावों पर भी हम लोग निश्चित रूप से ध्यान देंगे।

माननीय अध्यक्ष: डॉ. वीरेन्द्र कुमार, श्री पी.पी.चौधरी, श्री प्रहलाद सिंह पटेल, श्री निशिकान्त दुबे, श्री वीरेन्द्र कश्यप, श्री गणेश सिंह और कुमारी शोभा कारन्दलाजे को डॉ. संजय जायसवाल द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।